मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी

भावे लख दा जोर लावे दुनियादारी जी,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

ओहदे दर ते झुक्दे शीश बड़े सोदागरा दे
मेरा जोगी बेड़े बदल दिंदा महा सागरा दे,
ओह्दी बंजरा विच ऊगा दिंदा फुलवाड़ी जी,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

मेरी अपनी बन के लोह जगमा ते ठगिया सी
मैं डोलिया नि सी क्यों की नाथ नाल लागियां सी,
ओहदा चिमटा सारी चाड दिंदा हुश्यारी जी,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

धर्म वीर मोहरा बाबा जी ने लाइयाँ ने ,
ओहदे कमले दिया भी जग दे विच वाङ्याइयाँ ने,
मेरे कलाकारी दी कला ही बहुत न्यारी जी ,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15797/title/meri-pith-na-lagan-deve-paunahaari-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |